माउंट आबू, 18 अप्रेल। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा है कि आध्यात्मिकता मनुष्य को धर्म के कर्मकांड तक ही सीमित न रखते हुए उसके व्यवहारिक जीवन को श्रेष्ठ बनाने में अहम भूमिका अदा करती है। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर परिसर में संगठन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी सहित संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मुखातिब थी।

उन्होंने कहा कि सच्ची सदभावना से की गई सेवा से ही मानव, प्रकृति व पर्यावरण का कल्याण संभव है। सकारात्मक सोच बढ़ाने के लिए मनुष्य को वैचारिक धरातल में अध्यात्म को स्थान देना होगा। संत महात्माओं का जीवन सर्वभौम है इसलिए उनके सानिध्य आने वाला मनुष्य अहंकार से मुक्ति पा लेता है। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा आध्यात्मिक क्षेत्र के साथ की जा रही सामाजिक सेवाएं भी सराहनीय ही बल्कि अनुकरणीय भी हैं। संगठन ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से पिछड़े कमजोर वर्ग के लोगों के दिलों में भी अपना अहम स्थान बना लिया है। मनुष्य को अपने असितत्व को समझ लेने से समाज में किसी प्रकार के भेदभाव शेष नहीं रह जाते।

संगठन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि भारत की अखंडता के लिए आध्यात्म प्रेमी क्या कर रहे हैं यही पहलू आज विचारणीय है। धर्म, जाति और राजनीति के नाम पर लोग बंटते चले जा रहे हैं। जो कि समाज के लिए एक विकराल रूप धारण करता जा रहा है। वर्तमान परिस्थितियों में आध्यात्म चिंतकों की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं इसलिए एक ऐसी नीति निर्धारित की जानी चाहिए जिससे मानव का हर धर्म के लिए प्यार और सम्मान बढ़े।

संगठन के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर नकारात्मक जीवनशैली को बल मिलने से तनाव बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में परिवारों, रिश्तों, व्यापार के साथ हर सामाजिक परिदृश्य पर अशांति फैलती जा रही है। इसके निराकारण को सबके प्रति आत्मिक भावना जागृत करनी होगा।

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा है कि आत्मज्ञान प्राप्त करने से ही मनुष्य विश्वकल्याण करने की भावनाओं को जीवन में अंगीकृत कर सकता है। समाज में विद्वता की कमी नहीं है लेकिन शुभ चिंतन की कमी के कारण समाज बंटते जा रहे हैं। सदभावना के मंत्र से राष्ट्र को एकसूत्र में बांधने का संकल्प करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी से मुलाकात कर संगठन की गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी ली और संगठन पदाधिकारियों से अध्यात्म व राजयोग के विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के ज्ञान सरोवर परिसर में पहुंचने पर ब्रह्माकुमारी संस्थान शिक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष बीके मृत्युजंय, शांतिवन प्रबंधक बी.के भूपाल भाई, बी.के शुक्ला बहन व बी.के. सरोज बहन सहित संगठन के अन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का भावभीना स्वागत कर अगवानी की। मुख्यमंत्री को ईश्वरीय स्मृतिचिन्ह देते हुए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ बीसूका उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह देवड़ा, संभागीय आयुक्त श्रीमती किरणसोनी गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक राजीव दासोत, जिला कलक्टर सिद्धार्थ महाजन, विधायक समाराम गरासिया, जगसीराम कोली समेत विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।